महाविद्यालय के विषय में

महान शिक्षा विद्, समाजसेवी, श्रद्धामूर्ति स्व0 डालचन्द शर्मा ने महामना पं0 मदनमोहन मालवीय एवं कमाण्डर स्व0 सुखदेव पाण्डेय (भूतपूर्व मंत्री) बिरला एजूकेशन ट्रस्ट, पिलानी के उच्च आदर्शों से प्रेरित होकर, खेकड़ा क्षेत्र से अशिक्षा उन्मूलन का संकल्प लेते हुए 5 मई, 1936 ई0 में 'शिक्षा प्रसारक मण्डल, खेकड़ा' की स्थापना की। ग्रामीण अंचल की युवा पीढ़ी को उच्च शिक्षा की सुविधाएँ उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखते हुए अदम्य उत्साह, अनवरत प्रयास तथा जनसहयोग के माध्यम से खेकड़ा नगर में एंग्लो संस्कृत जूनियर हाई स्कूल की स्थापना की। स्कूल की स्थापना से प्रारम्भ कर शनैः-शनैः शिक्षा जगत में एक नई पहचान प्राप्त की। मेरठ परिक्षेत्र में अनेक शैक्षिक संस्थानों की स्थापना कर शिक्षा का प्रसार किया। सन् 1936 में लगाया गया पौधा 1959 में वृक्ष बन गया तथा महामना मालवीय महाविद्यालय, खेकड़ा (बागपत) के रूप में स्थापित हुआ।

यह महाविद्यालय बागपत जनपद स्थित खेकड़ा नगर के रेलवे स्टेशन से पश्चिम दिशा में मात्र 200 मी. की दूरी पर स्थित है। दिल्ली-सहारनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग से 4 किमी. पूर्व की दिशा में एवं दिल्ली आईएसबीटी से लगभग 27 किमी. तथा पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से सहारनपुर रेलमार्ग से जुड़ा है। महाविद्यालय से 5 किमी. दूर बड़ागांव में विशाल जैन मंदिर तथा पार्श्वनाथ तीर्थस्थल है। नगर प्राचीन समय से खादी एवं हैंडलूम उद्योग का केन्द्र है।

शोधपत्र/शोधसार

संगोष्ठी के मुख्य विषय एवं उप-विषय पर आधारित शोधपत्र आमंत्रित हैं। शोधसार अधिकतम 300 शब्दों में 10-3-2023 तक अनिवार्य रूप से mmdcpoliticalscience@gmail.com पर प्राप्त हो जाने चाहिएं। शोधसार MS-WORD में हिंदी के लिए 'Mangal' (14 pt.) तथा अंग्रेजी के लिए Times New Roman (12 pt.) में टंकित होना चाहिए।

महत्वपूर्ण तिथियाँ

शोधसार प्रस्तुति - अंतिम तिथि : 10-03-2023
शोधपत्र प्रस्तुति- अंतिम तिथि : 12-03-2023
पंजीकरण अंतिम तिथि : 16-03-2023

पंजीकरण शुल्क

शिक्षक : 600.00
शोध छात्र : 300.00
छात्र : 200.00

मुख्य संरक्षक

श्री ब्रह्मदेव

निदेशक, उच्च शिक्षा, उ.प्र.

श्री ब्रिजेश कुमार शर्मा
अध्यक्ष, प्रबन्ध समिति
महामना मालवीय महाविद्यालय

श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा
सचिव, प्रबन्ध समिति
महामना मालवीय महाविद्यालय

संरक्षक/प्राचार्य

प्रो. सुनील कुमार तोमर

मो. : 9410622578

संयोजक
डॉ0 देवेश शुक्ल
असिस्टेंट प्रोफेसर
राजनीति विज्ञान विभाग

आयोजन सचिव
श्री उदय भान द्विवेदी
असिस्टेंट प्रोफेसर
राजनीति विज्ञान विभाग

परामर्श मण्डल

डॉ0 भवानी रामचन्द्रन, डॉ0 सुनील धीमान, डॉ0 जगदीश, डॉ0 मनोज कुमार, डॉ0 शैलेन्द्र, श्री गौरव, श्रीमती स्वाती, डॉ0 शिवेन्द्र मिश्र, डॉ0 गोपेश्वर दत्त पाण्डेय, डॉ0 प्रमोद बालियान, श्री हरिओम कौशिक, श्रीमती गुंजन सिंह, श्री रजनीश कुमार, डॉ0 विवेक कुमार श्री अनिल कुमार

पंजीकरण समिति
डॉ0 सुनील धीमान
श्री हरिओम कौशिक
श्री रजनीश कुमार
श्री अनिल कुमार

तकनीकी समिति
डॉ0 शिवेन्द्र मिश्र
डॉ0 प्रमोद बालियान

प्रूफ रीडिंग समिति
डॉ0 शैलेन्द्र
डॉ0 गोपेश्वर दत्त पाण्डेय

प्रेस संयोजक
डॉ0 सुनील धीमान
डॉ0 गोपेश्वर दत्त पाण्डेय

कोषाध्यक्ष
श्री भूपेश कुमार

उच्च शिक्षा विभाग, प्रयागराज (उ.प्र.)
द्वारा प्रायोजित

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

"भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में अटल बिहारी वाजपेयी का नेतृत्व, कृतित्व एवं उनकी उपलब्धियाँ"

दिनांक : 17-18 मार्च, 2023

"सा विद्या या विमुक्तये"

आयोजक :

राजनीति विज्ञान विभाग

महामना मालवीय महाविद्यालय
खेकड़ा, बागपत, उ.प्र. - 250101

महोदय/महोदया,

यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि, राजनीति विज्ञान विभाग, महामना मालवीय महाविद्यालय, खेकड़ा, बागपत उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर-प्रदेश द्वारा प्रायोजित ''भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में अटल बिहारी वाजपेयी का नेतृत्व, कृतित्व एवं उनकी उपलब्धियाँ'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करने जा रहा है। सम्प्रति भारत अपने स्वतन्त्रता के 75 वर्षों के उपरान्त 'आजादी का अमृत महोत्सव' प्रभूत उत्साह एवं उल्लासपूर्वक मनाकर, स्वाधीनता संग्राम तथा भारतीय गणतंत्र की गौरवशाली परंपरा को संजोने का प्रयास कर रहा है। ध्यातव्य है कि विगत 75 वर्षों की परिलब्धियाँ प्राप्त करने में भारत के अनेक कद्दावर नेताओं ने योगदान दिया, जिनमें पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, जय प्रकाश नारायण, राममनोहर लोहिया, चौधरी चरण सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी, चन्द्रशेखर, राजीव गांधी, नरसिम्हा राव, व नरेन्द्र मोदी प्रमुख रूप से उल्लेखनीय हैं। उक्त नेताओं ने अपने नेतृत्व और कर्तव्य से राष्ट्र निर्माण में शिल्पकार की भूमिका निभायी। इसी कड़ी में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व और कृतित्व का महती योगदान रहा है। जिन्होंने अपने अथक संघर्ष, अदम्य साहस के साथ 'हार नहीं मानूँगा' का उद्घोष कर भारतीय राजनीति में शून्य से शिखर तक की यात्रा की। जिनके व्यक्तित्व के विभिन्न आयाम दिखते हैं, वे कभी पत्रकार तो कभी कवि, कभी राजनेता तो कभी कूटनीतिज्ञ की भूमिका में दिखते रहे। दक्षिणपंथी विचारधारा से प्रभावित राजनीतिक दल से सम्बद्ध होने के बावजूद सर्वसमावेशी, उदार राजनीति के संवाहक बनकर, अस्थिर भारतीय राजनीतिक परिस्थिति में गठबंधन धर्म के वाहक बन स्थायी एवं मजबूत सरकार प्रदान करना उनके व्यक्तित्व एवं सर्वस्वीकार्य नेतृत्व का ही परिणाम रहा है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के आदर्श को संजोते हुए विश्व मंच पर सुदृढ़ व सशक्त भारत' की उपस्थिति उनके कूटनीतिक कौशल का उदाहरण है। जिस तरह से उन्होंने पोखरण-2 के माध्यम से भारतीय सैन्य क्षमता को अभूतपूर्व सामर्थ्य प्रदान कर, भारत के जन-जन का मनोबल बढ़ाया साथ ही अपने कूटनीतिक कौशल से परमाणु परीक्षणोपरांत वैश्विक प्रतिबंधों को प्रभावहीन कर दिया। अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के क्षेत्र में सम्बंध निर्धारण में यथार्थ के धरातल पर रहकर विदेश नीति का संचालन उनकी प्राथमिकता थी। पड़ोसी राष्ट्रों के प्रति भी उन्होंने आदर्श व यथार्थ का समायोजन करने का प्रयास किया। यद्यपि लाहौर बस यात्रा, आगरा शिखर वार्ता के उपक्रम उतने सुखद नहीं रहे। आर्थिक विकास की दृष्टि से उदारीकरण एवं निजीकरण की ओर कदम बढ़ाकर उन्होंने अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में योगदान किया। कृषि तथा ग्रामीण विकास के समन्वित दृष्टिकोण को अपनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए अनेक योजनाएं और कार्यक्रम उनके ही प्रधानमंत्रित्व काल में प्रारम्भ हुए। स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना के माध्यम से परिवहन के क्षेत्र में संपर्क क्रांति का प्रारम्भ किया, जिसका अनुकरण वर्तमान में मोदी सरकार भी कर रही है। नदी जोड़ो परियोजना, सागर माला परियोजना जैसी परियोजनाएँ उनके प्रधानमंत्रित्व काल में ही आरम्भ हुयी जो उनकी दूरदृष्टि का परिणाम हैं। दूरसंचार के क्षेत्र में भी क्रांति का श्रेय भी उनके नेतृत्व को दिया जाना चाहिए, जो आज 5G तक पहुँच गया। प्राथमिक शिक्षा को अनिवार्य व निःशुल्क बनाकर 'सर्वशिक्षा अभियान' के माध्यम से सम्पूर्ण भारत में प्राथमिक विद्यालयों का जाल बिछा दिया। आंतरिक राजनीति में वाजपेयी एक सशक्त राजनेता के रूप में सर्वमान्य थे, उनका नेतृत्व नेहरू जैसा करिश्माई था, जनता के मध्य अपार लोकप्रियता उनके 'स्टेट्समैन' होने का प्रमाण प्रस्तुत करती है। उन्होंने कोई राजनीतिक सिद्धांत तो नहीं दिया परन्तु संसद के अंदर तथा बाहर विभिन्न मुद्दों पर उनके विचार, भाषण तथा व्यवहार ने उनको भारतीय राजनीति का पितामह बना दिया। इन्हीं विचारों और उनकी व्यवहार कुशल राजनीति के विविध पहलुओं पर चर्चा तथा विमर्श करने हेतु राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें आप सादर आमंत्रित हैं।

नोट :

प्रतिभागियों को किसी प्रकार का यात्रा व आवास भत्ता (TA/DA) देय नहीं होगा।

उप-विषय

- भारतीय राजनीति के अजातशत्रु : अटल बिहारी वाजपेयी।
- अटल बिहारी की नेतृत्व शैली।
- अटल बिहारी की विदेश नीति।
- अटल बिहारी की गठबंधन राजनीति।
- अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारतीय गणतंत्र की उपलब्धियाँ :-
  शिक्षा, युवा एवं खेल मामले।
  आर्थिक नीति, उदारीकरण, निजीकरण,वैश्वीकरण।
  विज्ञान-तकनीकी, संचार एवं पर्यावरण।
- भारतीय संसद में अटल बिहारी वाजपेयी।
- जे पी आंदोलन एवं आपातकाल के संदर्भ में अटल बिहारी।
- अटल बिहारी वाजपेयी : आधे राजनेता आधे कवि।
- भारतीय भाषाओं पर अटल बिहारी वाजपेयी का दृष्टिकोण।
- सामाजिक परिप्रेक्ष्य में अटल बिहारी वाजपेयी के विचार।
- भारतीय सांस्कृतिक चेतना के संवाहक अटल बिहारी।

संपर्क-सूत्र

- डॉ0 सुनील धीमान : 9996187407
- डॉ0 शैलेन्द्र : 9675256529
- श्री उदय भान द्विवेदी : 9415962695
- डॉ0 देवेश शुक्ल : 8182008022
- डॉ0 गोपेश्वर दत्त पाण्डेय : 8318655407
- श्री रजनीश कुमार : 9555015904
- श्री अनिल कुमार : 8826831947

गूगल-फार्म का लिंक

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfcOqkcUniz6bLsyL9zpIDUYE7J9Tx1eV2nabw9dKIezdk8IA/viewform?usp=pp_url

बैंक खाता विवरण

Account Holder Name :
M.M.Degree College
Account No. : 30241869552
IFS Code : SBIN0014963
Name of Bank : State Bank of India, Khekra
Distt. Baghpat (U.P.)
E-mail : principalmmdc@gmail.com
Mobile No. : 9456637331

आयोजन स्थल

महामना मालवीय महाविद्यालय
खेकड़ा, बागपत (उ.प्र.)